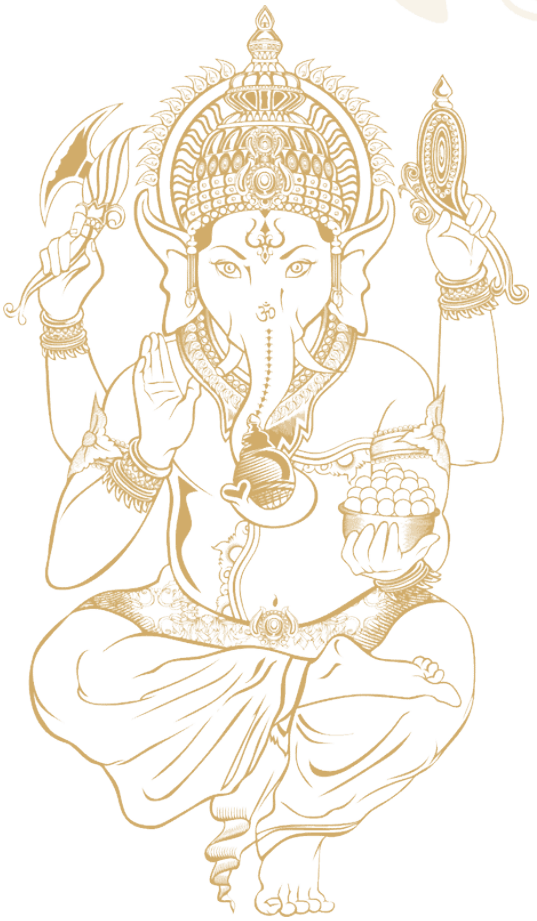

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120954510

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25-26/01/1997	जन्म तिथि	12/10/1994
शनि-रविवार	दिन	बुधवार
घंटे 00:30:00	जन्म समय	17:13:00 घंटे
घटी 44:27:57	जन्म समय(घटी)	28:21:24 घटी
India	देश	India
Deoria	स्थान	Singoli
26:31:00 उत्तर	अक्षांश	24:59:00 उत्तर
83:48:00 पूर्व	रेखांश	75:22:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:05:12	स्थानिक संस्कार	-00:28:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:42:49	सूर्योदय	06:25:16
17:32:29	सूर्यास्त	18:04:42
23:49:00	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:15

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 4वर्ष 1मा 15दि	15:05:39	तुला	लग्न	मीन	08:51:38	सूर्य 2वर्ष 9मा 25दि
सूर्य	12:02:36	मक	सूर्य	कन्या	25:08:07	राहु
12/03/2021	05:28:34	सिंह	चंद्र	मक	03:43:58	08/08/2014
13/03/2027	11:21:33	कन्या	मंगल	कर्क	10:33:40	07/08/2032
सूर्य 30/06/2021	17:34:35	धनु	बुध व	तुला	12:02:12	राहु 20/04/2017
चन्द्र 29/12/2021	07:09:41	मक	गुरु	तुला	23:35:30	गुरु 13/09/2019
मंगल 06/05/2022	25:40:15	धनु	शुक्र	तुला	24:12:44	शनि 20/07/2022
राहु 31/03/2023	09:13:36	मीन	शनि व	कुंभ	12:32:46	बुध 06/02/2025
गुरु 17/01/2024	06:05:59	कन्या व	राहु व	तुला	21:19:39	केतु 24/02/2026
शनि 29/12/2024	06:05:59	मीन व	केतु व	मेष	21:19:39	शुक्र 24/02/2029
बुध 05/11/2025	10:52:53	मक	हर्ष	धनु	28:38:50	सूर्य 19/01/2030
केतु 12/03/2026	03:56:45	मक	नेप	धनु	26:48:48	चन्द्र 21/07/2031
शुक्र 13/03/2027	11:17:04	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	02:42:39	मंगल 07/08/2032

लग्न-चलित

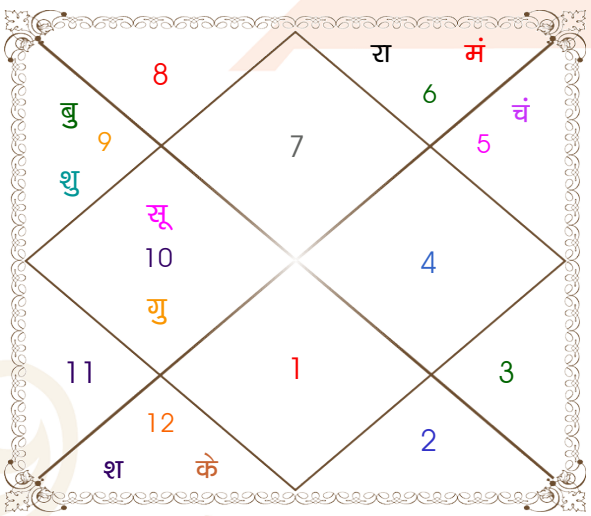

लग्न-चलित

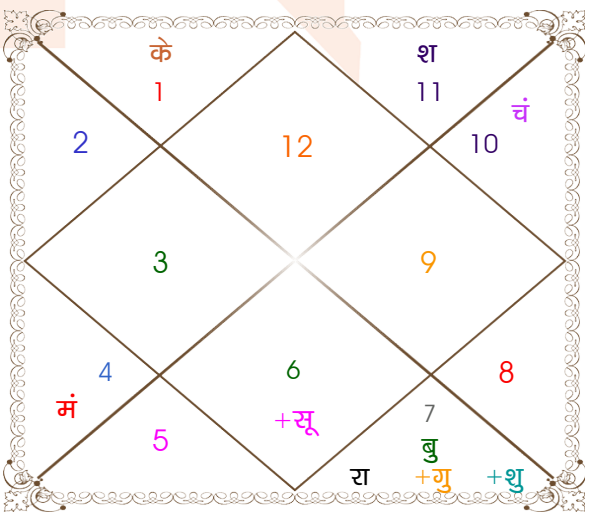

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	चतुष्पाद	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	नकुल	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शनि	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	3.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr. का वर्ग मूषक है तथा Ms. का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।